

साई बाबा भजन-जबसे बढ़ा साई से रश्ता
जबसे बढ़ा साई से रश्ता दुनियां छूटी जाय
हम आए साई के द्वारे धरती कहीं भी जाय

चहूं ओर तूफ़ान के धारे, मैली हवा वीरान कनारे
जीवन नैया साई सहारे फरि भी चलती जाय
जबसे बढ़ा साई से रश्ता दुनिया छूटी जाय

नाम समिरले जब तक दम है, बोझ ज़ियादा वक्त भी कम है
याद रहे दो दनि की उमरया पल पल घटती जाय
जबसे बढ़ा.....

साई के मंदिर में आए जब श्रद्धा के हार चढ़ाए
मन वशिवास के फूल की रंगत और नखिरती जाय
जबसे बढ़ा.....

भक्तों को दर्शन भिक्षा दो, रक्षा की टंडक पहुंचा दो
तुम ही कहो ये बरिहा क् अग्नि कब तक जलती जाय
जबसे बढ़ा साई से रश्ता दुनिया छूटी जाय
हम आए साई के द्वारे धरती कहीं भी जाय